पाठ 10: पश्चाताप और क्षमा

क. **पश्चाताप का बुलावा**

1. मरकुस 1:14-15, मत्ती 3:1-2, प्रेरितों के काम 2:38 पढ़ें–इन सभी बुलावों में क्या समानता है?
2. पश्चाताप क्या है?
3. यीशु ने अपने चेलों को क्यों आज्ञा दी कि वे सब जातियों में उसके नाम से पश्चाताप और पापों की क्षमा का संदेश प्रचार करें? (रोमियों 3:23; 2 पतरस 3:9)
4. आपको पहली बार कब यह एहसास हुआ कि आप पापी हैं और आपको अपने पापों के लिए पश्चाताप करना चाहिए?
5. कुछ लोग डर के कारण पश्चाताप करते हैं। रोम के मसीहियों को प्रेरित पौलुस की गवाही से हम क्या सीख सकते हैं? (रोमियों 2:4)
6. हमें अपने पापों के लिए पश्चाताप करने की आवश्यकता का बोध कौन कराता है? (यूहन्ना 16:7-8)
7. क्या पश्चाताप एक बार की घटना है, या हमें अपने जीवन में एक से अधिक बार पश्चाताप करना होगा? (1 यूहन्ना 2:1)
8. सच्चे पश्चाताप और हमारे पाप के नकारात्मक परिणामों पर केवल पछतावे में क्या अंतर है? (मत्ती 3:8; नीतिवचन 4:14-15 आदि)
9. बतशेबा के साथ व्यभिचार करने के बाद दाऊद की प्रार्थना में सच्चा पश्चाताप कहाँ दिखाई देता है? (भजन संहिता 51:1-11)
10. फरीसी और चुंगी लेने वाले के बारे में यीशु के दृष्टान्त से सच्चे पश्चाताप के बारे में हम क्या सीख सकते हैं? (लूका 18:9-14)
11. जैसे-जैसे परमेश्वर के साथ आपके संबंध में वृद्धि हुई है, पश्चाताप के बारे में आपकी समझ कैसे बढ़ी है? (किए गए पाप और न किए गए पाप–दोनों)
12. हमारे प्रभु यीशु मसीह में पश्चाताप और विश्वास के बीच क्या संबंध है? (प्रेरितों के काम 20:21)

ख. **क्षमा का उपहार**

1. जब हम सच्चा पश्चाताप करते हैं और अपने पापों को स्वीकार करते हैं, तो परमेश्वर से हमें कौन-कौन सी आशीष मिलती हैं? (प्रेरितों के काम 2:38; 3:18-19; 1 यूहन्ना 1:9 आदि)
2. सच्चे पश्चाताप और पाप-स्वीकार के समय आपने जो आशीषें अनुभव की हैं, उनके बारे में आपकी गवाही क्या है?
3. यदि कोई कहे, "मैं इतना लज्जित और अयोग्य महसूस करता हूँ कि क्षमा माँग ही नहीं सकता," तो आप उसे क्या उत्तर देंगे?
4. प्रकाशितवाक्य 7:13-14 में हम उद्धार पाए हुओं को श्वेत वस्त्र पहने देखते हैं। उन्होंने यह पूर्ण शुद्धता कैसे प्राप्त की? (मत्ती 22:1-14 भी देखें)
5. परमेश्वर के वचन की कौन-सी प्रतिज्ञाएँ हमें याद दिलाती हैं कि जो कोई उससे क्षमा और शुद्धता के लिए पुकारता है, उसके प्रति वह दयालु है? (भजन संहिता 103:8; यूहन्ना 6:37 आदि)